पारंपरिक और डिजिटल समाचार लेखन में तुलनात्मक अध्ययन

पत्रकारिता एवं जनसंचार

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ:ग)

की

एम.ए(जेएमसी)

उपाधि की आंशिक पूर्ति हेतु

लघुशोध –प्रबंध

सत्र (2022 -24)

शोध निर्देशक

डॉ शिव कृपा मिश्रा

असिस्टेंट प्रोफेसर

शोधार्थी

आकाश साहू

Enroll no-GGV/22/00501

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ:ग)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

विभागाध्यक्ष
H.O.D
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
Deptt. of Journalism & Mass Communication
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya,
बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आकाश साहू ने मेरे मार्गदर्शन में " पारंपरिक और डिजिटल समाचार लेखन में तुलनात्मक अध्ययन विषय पर अपना लघु शोध पूरा किया है। यह लघु शोध शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तत्व पर आधारित और उनका मौलिक कार्य है।इसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन के लिए प्रेषित करने की संस्तुति करता हूं।

शोध निर्देशक

दिनांक -

स्थान -बिलासपुर

डॉ शिव कृपा मिश्रा

असिस्टेंट प्रोफेसर

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग बिलासपुर (छ:ग)

विषय सूची

अध्याय 1

प्रस्तावना .....

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का विकास .....

डिजिटल युग का उदय और नई प्रवृत्तियाँ.....

सूचना की विश्वसनीयता पर प्रभाव.....

डिजिटल और पारंपरिक मीडिया में तुलना.....

शोध कथन.....

शोध प्रश्न.....

अध्याय 2

साहित्य सर्वेक्षण .....

पारंपरिक और डिजिटल समाचार लेखन में तुलनात्मक अध्ययन

पारंपरिक और डिजिटल मीडिया में सूचना की विश्वसनीयता का तुलनात्मक अध्ययन

ज्ञान रिक्तता.....

अध्याय 3

हाइपोथेसिस .....

अध्याय 4

शोध पद्धति .....

शोध दृष्टिकोण.....

गुणात्मक दृष्टिकोण.....

मात्रात्मक दृष्टिकोण.....

सर्वे.....

प्रदाताओं के संग्रह की प्रक्रिया .....

प्रदाताओं का विश्लेषण .....

अध्याय 5 विश्लेषण

प्रदाताओं की व्याख्या विवेचना और विश्लेषण .....

पाई चार्ट द्वारा डाटा का दृश्यात्मक प्रस्तुतीकरण.....

पाई चार्ट द्वारा डाटा का विश्लेषण प्रवृत्ति और निष्कर्षो की पहचान .....

साहित्य समीक्षा के लिए थेमेटिक विश्लेषण .....

अध्याय 6

निष्कर्ष .....

अध्याय 7

निष्कर्ष एवं सीमाएं.....

शोध की सीमाएं .....

सुझाव .....

संदर्भ ग्रंथ सूची (reference).....

परिशिष्ट .....

अध्याय 1

प्रस्तावना(introduction)

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के विकास ने पत्रकारिता और समाचार लेखन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव को जन्म दिया है। पारंपरिक समाचार लेखन, जो लंबे समय से स्थापित मानदंडों और संरचनाओं पर आधारित है, ने समाचार की प्रस्तुति में सटीकता, निष्पक्षता, और विश्वसनीयता पर जोर दिया है। इसके विपरीत, डिजिटल युग के उदय के साथ, समाचार लेखन में नई प्रवृत्तियों और शैलियों का समावेश हुआ है, जो तेज़ी से बदलते मीडिया परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करते हैं।

डिजिटल प्लेटफार्मों की बढ़ती पहुँच और सोशल मीडिया की व्यापकता ने समाचार लेखन की पारंपरिक शैली और संरचना को चुनौती दी है। इन प्लेटफार्मों पर समाचार तेजी से प्रसारित होते हैं, जिससे सूचना की विश्वसनीयता और सत्यापन की प्रक्रियाओं में भी परिवर्तन देखा गया है। जहां पारंपरिक मीडिया में समाचार लेखन की एक निश्चित शैली और संरचना होती है, वहीं डिजिटल मीडिया में यह शैली अधिक लचीली और पाठक-केंद्रित होती है।

सूचना की विश्वसनीयता पत्रकारिता का एक केंद्रीय स्तंभ है, जो समाचार लेखन की गुणवत्ता और पाठकों के विश्वास को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पारंपरिक समाचार मीडिया ने दशकों से अपनी तथ्य-जांच प्रक्रिया, संपादकीय कठोरता, और सटीकता के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से विश्वसनीयता स्थापित की है। इसमें समाचार के स्रोतों का गहन विश्लेषण और सत्यापन किया जाता है, जिससे गलत जानकारी के प्रसार की संभावना कम हो जाती है।

हालांकि, डिजिटल युग में, समाचार लेखन की गति और व्यापकता ने सूचना की विश्वसनीयता को चुनौती दी है। डिजिटल मीडिया में समाचार तेजी से प्रसारित होते हैं, जिससे अक्सर सत्यापन के बिना जानकारी साझा हो जाती है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर वायरल होने वाली खबरें कभी-कभी आधी-अधूरी या गलत हो सकती हैं, जो फेक न्यूज़ (fake news) की समस्या को बढ़ावा देती हैं। इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफार्मों पर clickbait और sensationalism का उपयोग भी सूचना की विश्वसनीयता को प्रभावित करता है।